भारत सरकार

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय

भारी उद्योग विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2460

जिसका उत्तर बृहस्पतिवार, 19 मार्च, 2015 को दिया जाना है

**उद्योगों पर कम उत्पाद शुल्क का प्रभाव**

**2460. प्रो. एम. वी. राजीव गौडाः**

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) ऑटोमोबाइल उद्योग की वर्तमान विकास दर क्या है;

(ख) इसमें सुधार हेतु क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ग) इस उद्योग पर कम उत्पाद शुल्क का क्या प्रभाव पड़ा है और इसका लाभ उठाने संबंधी क्या-क्या नीतियां हैं?

**उत्तर**

**भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री**

**(श्री जी. एम. सिद्देश्वर)**

**(क)**: महोदय, अप्रैल, 2014 से फरवरी, 2015 तक की अवधि के दौरान ऑटोमोबाइल उद्योग में उत्पादन वृद्धि दर, पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में इस प्रकार है:

| | **अप्रैल-फरवरी 2014** | **अप्रैल-फरवरी 2015** | **वृद्धि %** |
|---|---|---|---|
| **यात्री वाहन** | 2,815,563 | 2,927,447 | 3.97 |
| **वाणिज्यिक वाहन** | 636,923 | 629,905 | -1.10 |
| **तिपहिया** | 763,338 | 867,888 | 13.70 |
| **दुपहिया** | 15,429,731 | 17,042,863 | 10.45 |
| | | | |
| **सभी वर्गों का योग** | **19,645,555** | **21,468,103** | **9.28** |

**(ख):** सरकार जेएनएनयूआरएम जैसी नीतियों के माध्यम से वृद्धि में सुधार तथा निर्यातों में सुधार करने हेतु आवश्यक कदम उठा रही है। वाहन विनिर्माता मांग में बढ़ोतरी करने के लिए नए और उन्नत मॉडल प्रस्तुत कर रहे हैं।

**(ग):** फरवरी, 2014 से दिसम्बर, 2014 तक उत्पाद शुल्क में कमी की गई थी और तत्पश्चात् पूर्ववर्ती उच्च शुल्क दर को पुनः लागू कर दिया गया। कम उत्पाद शुल्क वाली अवधि के दौरान अधिकांशतः सभी क्षेत्रों ने उत्पादन में सुधार दर्शाया था और पिछली ऋणात्मक प्रवृत्ति समाप्त हो गई थी। जनवरी-दिसम्बर, 2013 तथा जनवरी-दिसम्बर, 2014 की अवधि के दौरान उत्पादन के तुलनात्मक आंकड़े इस प्रकार है:

| | **जनवरी-दिसंबर 2013** | **जनवरी-दिसंबर 2014** | **वृद्धि %** |
|---|---|---|---|
| **यात्री वाहन** | 3,155,694 | 3,158,215 | 0.08 |
| **वाणिज्यिक वाहन** | 742,731 | 681,945 | -8.18 |
| **तिपहिया** | 847,323 | 937,879 | 10.69 |
| **दुपहिया** | 16,413,175 | 18,490,931 | 12.66 |
| | | | |
| **सकल योग** | **21,158,923** | **23,268,970** | **9.97** |

********